17 AUG 2019

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Module – 3)

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF/19 (N-M)–M–**GS13**	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: Bhoor Singh meena **Mobile Number:** ____________

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** AWAKE-19/F-24

Center & Date: Mukharji Nagar (Delhi) 14/8/19 **UPSC Roll No. (If allotted):** 3811578

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

1. प्राचीन एवं मध्ययुगीन भारत में विद्यमान अधिकांश कला एवं वास्तुकला के अवशेष अभी भी शेष हैं जो कि प्रकृति में धार्मिक हैं। परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Most of the art and architectural remains that survive from ancient and medieval India are religious in nature. Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत मे प्राचीनकाल से लेकर वर्तमान काल तक कला एवं वास्तुकला मे महत्वपूर्ण विकास हुआ परन्तु इनमें मूल वास्तुकला की विशेषता बनी रही जो धार्मिक प्रकृति की थी। जो इस प्रकार है।

प्राचीन काल बुद्ध धर्म के स्तूप जो अर्द्धवृत्ताकार थे तथा बुद्ध धर्म के धार्मिक प्रतीक थे। जिनमे महात्मा बुद्ध और बोधिसत्व के अवशेषो के उपर बनाये। इन स्तूपो मे अशोक द्वारा निर्मित भरहुत का स्तूप, अमरावती का स्तूप वर्तमान समय भी बने हुये है।

इसी प्रकार खजुराहो मे चंदेल शासको ने नागर शैली मे बनवाये जैन, बोद्ध और हिन्दु मंदिर जो धार्मिक सद्भावना का प्रतीक है आज भी पंचायतन शैली की शोभा बढा रहे है।

मध्यकालीन के समय विजयनगर साम्राज्य का विट्ठल स्वामी मंदिर, हजार

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

स्वामी मंदिरो के अवशेष अभी भी बने हुये है जो ~~द्रविड~~ द्रविड शैली के मंदिरों के उदाहरण है।

अकबर द्वारा निर्मित आगरा की जामा मस्जिद, शाहजहाँ द्वारा निर्मित आगरा मस्जिद इन्डो-मुस्लिम शैली की वास्तुकला का स्पष्ट उदाहरण है। ये सभी वर्तमान समय मे भी बने हुये है।

अतः इस प्रकार प्राचीन और मध्यकालीन धार्मिक वास्तुकला भारतीय संस्कृति की निरन्तरता को बनाये रखे हुये है जो भारतीय संस्कृति को अद्वितीय बनाती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. चोलकालीन कांस्य प्रतिमाओं को सर्वाधिक परिष्कृत माना जाता है। पुष्टि कीजिये। (150 शब्द) 10

Chola bronze sculptures are considered as the most elegant. Substantiate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

चोल काल मे मूर्तिकला अपने चरमोत्कर्ष पर थी। यहाँ मूर्तियो को पत्थर, कांसे या मिट्टियों की बनाया जाता था। ये मूर्तिया तत्कालीन समाज, धार्मिक स्थिति के बारे मे जानकारी प्रस्तुत करती हैं।

चोलकालीन नटराज की कास्य मूर्ति इसकी उत्कृष्ट मूर्तिकला का उदाहरण है। यह मूर्ति इतनी अच्छी तरह से परिष्कृत की गई है कि मूर्ति के आधार पर इसकी प्रकृति, भाव या इसके संदेश का आकलन किया जा सकता हैं।

इस नटराज की कास्य मूर्ति में शिव को नृत्य की अवस्था मे बताया गया है, साथ ही इससे शिव के तीनो रूप - सृष्टि रचियता, सृष्टि विनाशक और सृष्टिपालक की अनुभूति होती है।

इसके साथ ही चोलकालीन मंदिर जैसे तंजोर का बृदेश्वर मंदिर, गंगकोईचोलपुरम का मंदिर इत्यादि मे भी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

मंदिरो की दीवारो पर मूर्तिया बनाई गई हैं। ~~जिससे~~ इनका परिष्करण उत्कृष्ट कोटि हैं।

इस प्रकार चोलकालीन मूर्तिकला मे कास्य की मूर्तिया ही उसकी विशिष्ट पहचान है जिनमें कास्ये की नटराज मूर्ति इसकी प्रासंगिकता को बनाये हुऐ हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. आधुनिक भारत के निर्माण में ईश्वरचंद्र विद्यासागर के योगदान की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the contributions of Ishwar Chandra Vidyasagar in the making of modern India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

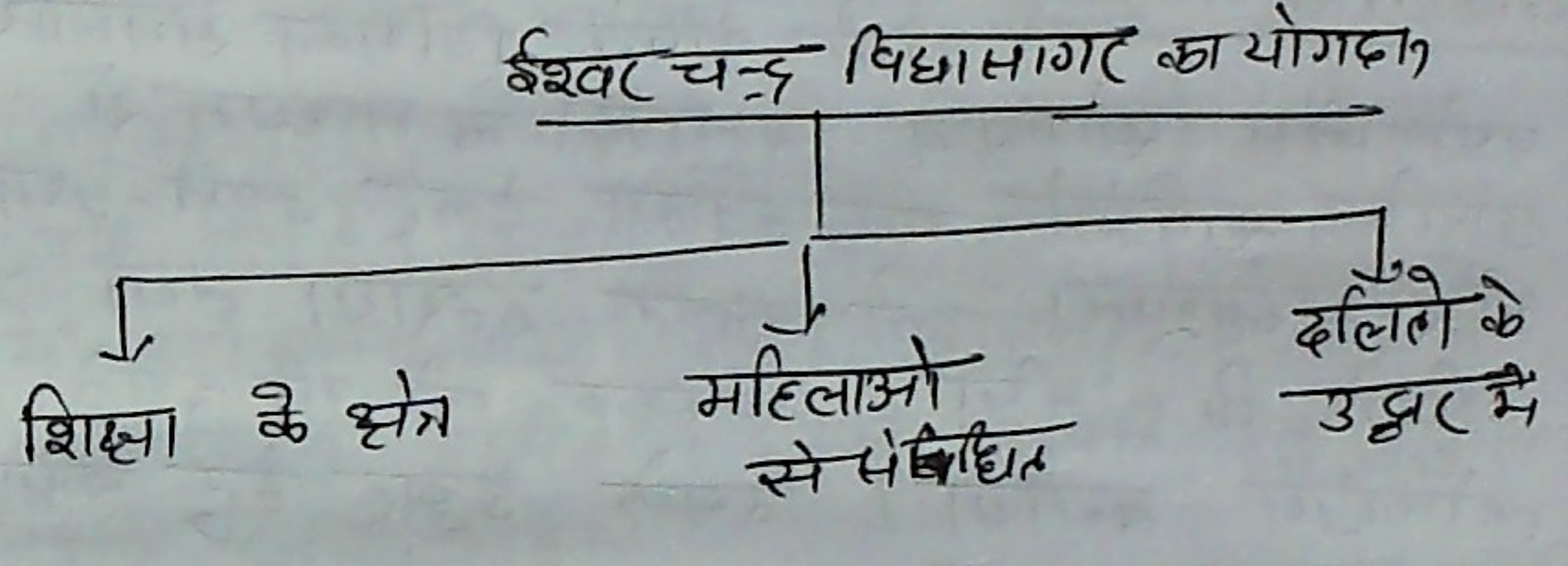

Ans ईश्वरचंद विद्यासागर एक महान समाज सुधारक, साहित्कार और विद्वान थे जिन्हे भारतीय समाज सुधार आंदोलन मे महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनका प्रमुख योगदान निम्न है

ईश्वर चन्द्र विद्यासागर का योगदान
- शिक्षा के क्षेत्र
- महिलाओ से संबंधित
- दलितो के उद्धार मे

शिक्षा के क्षेत्र: इसने महिलाओ और दलितो की शिक्षा पर जोर दिया ताकि इनमे विवेकशीलता और समझदारी आए जिससे इन जनचेतना बढे और ये समाज की मुख्यधारा से जुड़ सके। इस हेतु इन्होंने बी.जी बेथुन के साथ लगभग 135 विद्यालय खोले जिनमे महिला शिक्षा को बढावा दिया गया

महिला से संबंधित: इन्होंने महिलाओ के प्रति समाज मे व्याप्त ~~कुरी~~ ~~निवास~~ बहुविवाह पद्धति, बाल हत्या, बाल विवाह का विरोध किया तथा अपने ग्रंथ 'विधवाविवाह' के माध्यम

Contact: 8750187501, 8448485517

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

से विधवा पुनर्विवाह का समर्थन किया तथा इन्ही के प्रयासो से 1856 मे 'विधवा पुनर्विवाह कानून' बनाया जिसमे विधवा विवाह को वैधानिक ठहराया गया तथा उससे उत्पन्न संतान को भी वैध माना गया।

दलितो से संबंधित

इसने अपने विभिन्न समाचार पत्रो जैसे 'सोमनाथ' इत्यादि के माध्यम से प्राचीन धर्मग्रंथो का हवाला देकर जाति-प्रथा और अस्पृश्यता को गलत ठहराया तथा दलितो के बीच संस्कृत को भी इसने लोकप्रिय बनाया। उनके उद्धार हेतु शिक्षा, की व्यवस्था की गई।

अतः इस प्रकार विद्यासागर जी समाज सुधार के साथ साथ विद्या के क्षेत्र मे इनके अमूल्य योगदान के कारण इन्हे 'विद्यासागर' की उपाधि दी गई।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के निर्माण को स्पष्ट कीजिये। बंगाल की खाड़ी चक्रवातों के लिये अधिक प्रवण क्यों है? विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain the formation of tropical cyclones. Discuss why the Bay of Bengal is more prone to cyclones? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Ans- उष्णकटिबंधीय चक्रवातो की उत्पत्ति उष्ण कटिबंधीय महासागरो के पूर्वी तटो पर होती है ~~क्योंकि~~ जिसमे एक विशेष वायुदाब स्थिति उत्पन्न होती है, इसमे केन्द्र मे निम्न वायुदाब और परिधि पर उच्च वायुदाब जिससे वायु परिधि से केन्द्र की ओर प्रवाह होती है। इनकी दिशा उत्तरी गोलार्द्ध मे एंटी क्लॉक वाइज तथा दक्षिणी गोलार्द्ध मे क्लॉकवाइज होती है। इनकी उत्पत्ति हेतु प्रमुख दशाए अनिवार्य है-

अनिवार्य दशा

- तापमान
  ⇓ ऊर्जा की प्राप्ति के लिए
  ⇓ 27°C तापमान होना चाहिए
  ⇓ जिससे वायु आरोहण हो सके
- आरोहण
  ⇓ वायु के आरोहण से केन्द्र मे निम्न वायुदाब की स्थिति उत्पन्न होगी
- कोरियोलिस बल
  ⇓ यह इसकी चक्राकार स्थिति के लिए जरूरी है।
  ⇓ यह बल भूमध्यरेखा पर उत्पन्न नही होता इसलिए वहाँ उष्ण कटिबंधीय चक्रवात उत्पन्न नही होते है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इन उपर्युक्त अनुकूल ~~परिस्थितियों~~ परिस्थितियों के अतिरिक्त जेट धारा की अनुपस्थिति भी जरूरी होती है।

उष्णकटिबंधीय चक्रवात बंगाल की खाड़ी में अधिक आते हैं जैसे हाल ही में आया 'फेनी' चक्रवात भी इसी प्रकृति का था। इसके प्रमुख कारण निम्न हैं—

- इनके अनुकूल दशाएँ जैसे तापमान की अधिकता, जेट धारा की अनुपस्थिति एवं कैरियोलिस बल इत्यादि यह पाये जाते हैं
- स्थलीय भाग से घिरी हुई होने के कारण इसका तापमान भी उच्च बना रहता है।
- भारत से वर्षा का लौटता मानसून भी इसकी अनुकूल स्थिति उत्पन्न कर देता है।
- जलवायु परिवर्तन का प्रभाव।

इत्यादि कारणों से बंगाल की खाड़ी में इनकी प्रवणता देखी गई है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।
(Candidate must n write on this margi

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. भारत जैसे देश में विभिन्न समय-क्षेत्रों (टाइम ज़ोन) का मुद्दा सामने आता रहता है। इस संदर्भ में भारत के विभिन्न समय-क्षेत्रों की व्यवहार्यता का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

The issue of multiple time-zones for a country like India keeps resurfacing. In this context, examine the feasibility of multiple time zones in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

वर्तमान मे भारत मे 82½ देशान्तर रेखा ही सम्पूर्ण भारत का समय निर्धारित करती है, लेकिन भारत की देशान्तर स्थिति अधिक होने के कारण इसके लिए एक और समय-क्षेत्र की मांग बढ रही है। यह समयक्षेत्र पूर्वी भारत मे असम से होकर गुजरेगा जो पूर्वी भारत के लिए समय का निर्धारण करेगा। परन्तु इससे संबंधित निम्न चुनौतिया उत्पन्न होगी

- सबसे बडी समस्या ट्रेनो के समय निर्धारण मे होगी जिसमे एक ही ट्रेन दोनो क्षेत्रो से गुजरेगी तो उसके समय मे अन्तर होगा।।
- पूर्वी क्षेत्रो का अलग-समय क्षेत्र होने से इनमे राजनैतिक रूप से भी अलगाव की स्थिति उत्पन्न होगी।
- इससे केन्द्र सरकार के सभी कार्यालयो का समय भी प्रभावित होगा जो सभी जगह एक समान है।

इन उपर्युक्त चुनौतियो

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

बावजूद भारत मे दो समय क्षेत्र होने से निम्न सकारात्मक प्रभाव होंगे-

- पश्चिमी और पूर्वी क्षेत्र मे देशान्तर दूरी अधिक होने के कारण लगभग दो घण्टे के समय का अंतर होता है यदि उनका अलग समय-क्षेत्र निर्धारित कर दिया जाए तो इस समय का सही उपयोग हो सकता है।

- सभी केन्द्रीय कार्यालयो का एक समय होने पर शाम के समय सभी कार्यालयों मे बिजली की खपत बढ़ती है। उस समस्या से भी छुटकारा पाया जा सकता है

- दिन की अवधि के आधार पर ही मानवीय जीवन-चक्र चलता है यदि इसका निर्धारण सही किया गया तो मानवीय मानसिकता पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव से बचा जा सकता है।

अतः इन स्थितियो को देखा जाए तो भारत मे कम-से-कम दो समय क्षेत्र तो व्यवहार्य हो सकते है। इससे अधिक क्षेत्र नही क्योंकि विश्व के कई देश जैसे रूस, अमेरिका, फ्रांस मे भी अलग-अलग समय क्षेत्र है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation
उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

6. सूखे तथा बाढ़ की दोहरी समस्या का समाधान नदियों को जोड़ना है। सरकार की राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना के संदर्भ में विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Interlinking of rivers solves the twin problems of drought and flood. Analyse in the context of government's National River Linking Project. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नदी के पानी का सही प्रबंधन ना होना ही सूखे एवं बाढ़ की समस्या का प्रमुख कारण बनता है। इसलिए नदी जोड़ो परियोजना प्रमुख एवं महत्वपूर्ण है। इसमे बर्फभर बहने वाली हिमालयी नदियो को मौसम विशेष मे बहने वाली महाद्वीपीय नदियो के साथ जोड़कर नदी जल का उचित प्रबंधन करने की की जा रही है

हाल ही मे केन-बेतवा नदी जोड़ने हेतु यह परियोजना शुरू कर दी है परन्तु इसके पक्ष एवं विपक्ष मे तर्क सामने आये है जो निम्न है –

पक्ष मे तर्क

- सूखा एवं बाढ़ से छुटकारा पाया जा सकता है
- इससे सिंचाई सुविधा बढ़ेगी तो मानसून पर निर्भरता कम होगी
- इससे नहरो का निर्माण कार्य किया जाएगा जिससे रोजगार भी बढ़ेगा
- इससे मत्स्यपालन, बिजली उत्पादन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

साथ-साथ नौपरिवहन संचालन बढ़ेगा जो वर्तमान मे सरकार का प्रमुख लक्ष्य है।

परन्तु इसके संबंध मे कुछ चुनौतिया भी है जैसे –

विपक्ष मे तर्क

- हिमालय की नदियो मे स्वयं मे ही पानी की कमी आने लगी तो इसकी व्यवहारिकता कम दिखती है
- इसके निर्माणकारी कार्य से पर्यावरण एवं प्रकृति को बडे ~~नुकसान~~ नुकसान का सामना करना पडेगा।
- पठारी एवं महाद्वीपीय भाग होने के कारण इनको जोडना जटिल कार्य होगा।
- इसके निर्माण मे बहुत ज्यादा खर्च आयेगा एक अनुमान के अनुसार सभी नदियो को जोडने मे लगभग 6 लाख करोड रुपये खर्च होंगे जो भारत जैसे देश के लिए एक जटिल कार्य है।

इस प्रकार यह एक साहसिक कार्य है परन्तु इसको बडी सूझबूझ के साथ विभिन्न पक्षो को देखते हुये इसका क्रियान्वयन किया जाये।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. 1857 के विद्रोह के बाद भारत के प्रशासन में विशेषतः प्रांतीय प्रशासन, स्थानीय निकायों एवं लोक सेवाओं के क्षेत्र में कौन-से प्रमुख परिवर्तन किये गए थे? (150 शब्द) 10

What were the prominent changes made in the administration of India after the Revolt of 1857 especially in the fields of provincial administration, local bodies and public services? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

1857 के विद्रोह ने कंपनी के शासन को समाप्त कर दिया और क्राउन के शासन को स्थापित किया। इससे प्रत्यक्ष रूप से ब्रिटिश सत्ता भारत में स्थापित हुई। इस विद्रोह के कारणों का विश्लेषण करते हुए ब्रिटिश सरकार ने अपनी नीतियों में महत्त्वपूर्ण परिवर्तन किये जो निम्न है

प्रांतीय प्रशासन

सभी देशी रियासतों के प्रति विलय की नीति त्याग दी। तथा प्रान्तों की स्वायत्तता बहाली करने पर बल दिया। साथ ही प्रान्तों में केन्द्रीय नियंत्रण हेतु गवर्नर को शक्तियां दी गई। वहां पर गवर्नर की सहायता से शासन संचालन किया जाने लगा।

स्थानीय निकायों

1857 जैसा विद्रोह दुबारा ना हो इसलिए ब्रिटिश सरकार ने निचले स्तर पर ही कार्य करना प्रारंभ किया छोटे स्थानीय शासन की स्थापना को बढ़ावा दिया गया जिससे की ब्रिटिश

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के प्रति असंतोष ना बढे। साथ ही स्थानीय स्तर की सरकारों को अपने स्तर पर ही आर्थिक संसाधन जुटाने की शक्ति दी गई जिससे ब्रिटिश सरकार पर इनके संचालन का खर्च ना उठाना पडे। ~~इसलिए~~ इसी आधार पर लार्ड मेयो के समय मद्रास में नगर निगम की स्थापना की गई।

लोकसेवाओं में

विद्रोह के बाद अंग्रेजों ने सिविल सेवाओं में यूरोपीयों की अधिकता को बनाये रखा परन्तु भारतीयों को संतुष्ट करने हेतु इनकी भर्ती हेतु परीक्षा का आयोजन किया जाने लगा। साथ ही इन सिविल सेवकों को शासन संचालन हेतु अधिक शक्तियाँ दी गई।

इस प्रकार ब्रिटिश सरकार ने 1857 के विद्रोह से सबक लेते हुए अपने साम्राज्य की स्थिरता हेतु सेना में यूरोपीय की संख्या बढाई। भारतीय सैनिकों का जातिगत एवं धार्मिक आधार पर गठन किया गया ताकि उनकी 'फूट डालो और राज करो' की नीति कामयाब हो सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

8. उपनिवेशवाद के संदर्भ में, पश्चिमी शक्तियों द्वारा एशियाई तथा अफ्रीकी देशों पर आसानी से प्रभुत्व स्थापित करने के पीछे के कारणों को उल्लेखित कीजिये। (150 शब्द) 10

In the context of colonialism, bring out the reasons behind easy domination of Asian and African countries by the Western powers. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

औद्योगिक क्रांति के बाद यूरोपीय देशो की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई। उन्होंने नये हथियारो का आविष्कार कर अपनी सैनिक शक्ति को बनाया जिससे उपनिवेशवाद को बढावा मिला।

एशियाई तथा अफ्रीकी देशो पर उनका प्रभुत्व आसानी से स्थापित हो गया इसके प्रमुख कारण निम्न है -

- एशियाई एवं अफ्रीकी देशो की सेना परम्परागत पद्धति पर आधारित थी जो पश्चिमी शक्ति का विरोध किसी भी प्रकार से नही कर सकती
- इन देशो मे निरक्षरता, धार्मिक एवं जातिगत मामलो अधिक प्रभावी थे और इन पश्चिमी शक्तियो ने इसका पूरा लाभ उठाया। तथा फूट डालो और राज करो की नीति का अनुसरण कर एक राजा को दूसरे राजा से, एक धर्म को दूसरे धर्म से लडवाकर अपना साम्राज्य स्थापित किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

- इन देशो शासको द्वारा भोगविलास और विलासी जीवन पर ज्यादा ध्यान दिया तथा अपनी प्रजा का शोषण किया
- पश्चिमी देशो की कूटनीतिक चाले, राजनैतिक नीतियाँ और उग्र राष्ट्रवादी भावनाऐ मौजूद थी। जबकि इन देशो मे पुरातन व्यवस्था मौजूद थी
- पश्चिमी देश पुनर्जागरण के बाद तर्क। बुद्धि - विवेक पर बल दिया वहाँ राष्ट्रीय भावना बढ़ी और लोकतांत्रिक सरकारो का गठन हुआ जबकि इन एशिया और अफ्रीका के देशो मे पुरातन, आदिम और अंधविश्वासी परम्पराऐ मौजूद थी जिसने इन्होने बाहरी शक्तियो का विरोध नही किया

अतः इस प्रकार पश्चिमीदेशो की राष्ट्रीयता, साम्राज्यवादी नीतिया और एशिया एवं अफ्रीका के देशो मे राष्ट्रवाद, जनचेतना एवं शासको मे राजनीतिक कूटनीति का अभाव था जिसके कारण यहाँ पर उपनिवेश स्थापित होने मे ज्यादा कठिनाई नही आई

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. भारत में गरीबी का बिंदुपथ (ठिकाना) ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों में स्थानांतरित हो रहा है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

The locus of poverty in India is shifting from rural to urban areas. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत मे लगभग 2/3 जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्र मे निवास करती है, जिसका प्रमुख व्यवसाय पशुपालन। कृषि, मत्स्य पालन इत्यादि हैं। परन्तु इनमे सीमित आय है तथा इन पर रोजगार हेतु निर्भरता अधिक है जिससे बेरोजगारी बढ रही और निर्धनता भी बनी हुई है।

रोजगार की तलाश हेतु शहरी क्षेत्रो मे व्यापक अवसरो होने के कारण शहरो की ओर प्रवासन बढ रहा है। परन्तु गांवो की तरह शहरी क्षेत्रो मे संसाधन सीमित है, रोजगार के अवसर सीमित होने तथा श्रम की अधिकता के कारण प्रवासन वाले लोगो को कम मजदूरी पर ही काम करना पड़ता है।

वही बसती और शहरी क्षेत्र मे महंगाई अधिक होने के कारण ये लोग शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास की सुविधा उपलब्ध नही करा पाते जिससे मलीन बस्तियो को बढावा मिल रहा है इनमे रहने से इनमे स्वास्थ्य जैसी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

गंभीर समस्या उभरकर सामने आ रही है और कम मजदूरी प्राप्त करने वाले ये लोग ना तो अपना इलाज करा पाते है और ना ही अपनी आजीविका को सही से चला सकते है। जिससे यहाँ निर्धनता बढ़ रही है।

इस प्रकार रोजगार की तलाश के शहरी क्षेत्रों में बढ़ता प्रवासन वहाँ गरीबी को बढ़ा रहा है। यही कारण है कि शहरी क्षेत्रों में गरीबी का स्तर बढ़ रहा है।

अत: इस प्रकार गरीबी का ठिकाना शहरी क्षेत्रों की ओर स्थानांतरित हो रहा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि... चाहिये।
(Candidate must ... write on this mar...

10. भारत में जाति तथा आर्थिक असमानता के मध्य संबंध स्थापित कीजिये। जाति असमानता के उन्मूलन हेतु अभिकल्पित कुछ नीतिगत उपायों का वर्णन कीजिये। (150 शब्द) 10

Establish the relationship between caste and economic inequality in India. Describe some of the policy measures designed to address caste inequality. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्राचीन काल मे वर्ण व्यवस्था के आधार पर जातियो का निर्धारण होता था जिसके ~~कार्य~~ कार्यो का निर्धारण भी इनकी जाति के आधार पर होता था। इसके अंतर्गत प्रत्येक जाति/ वर्ण के ~~कार्य~~ कार्य चतुर्थ वर्णीय व्यवस्था मे निम्न प्रकार के थे -

- ब्राह्मण वर्ग का कार्य पूजा-पाठ एवं वेद पाठ, यज्ञ करना इत्यादि
- क्षत्रिय वर्ग का कार्य शासन संचलान करना
- वैश्य का कार्य व्यापार एवं व्यापारिक गतिविधिया जैसे कृषि, उद्योग
- शूद्र का कार्य ~~का~~ उपर्युक्त वर्गो की सेवा करना।

इस उपर्युक्त वर्णीय व्यवस्था कार्यो का निर्धारण इस प्रकार किया कि ब्राह्मण, ~~क्ष~~ क्षत्रिय एवं वैश्य दिन-प्रतिदिन अमीर होते गये क्योंकि समस्त संसाधनो पर उनका अधिकार था। ~~सभी~~ आर्थिक क्रियाकलाप ये ही करते थे। वही दूसरी ओर शूद्र को निम्न दर्जे के कार्य दिये गये जिनसे सीमित स्तर पर आय प्राप्त

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

होती थी जिससे इनकी आजीविका का संचालन ~~अच्छे~~ नही हो पाता उससे यह वर्ग निरन्तर गरीब होता गया जिससे समाज मे आर्थिक असमानता बढ़ती गई। इस प्रकार जाति और आर्थिक असमानता मे सीधा संबंध है

जाति असमानता हेतु निम्न उपाय किये जाने चाहिए

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद-17 का अनुपालन को बढ़ावा,
- स्कूलों एवं कोलेजो मे सभी जातियों के बच्चो को एक साथ शिक्षा,
- सामाजिक जागरूकता हेतु अभियान
- जाति के आधार कार्यों का निर्धारण नही बल्कि योग्यता एवं क्षमता को आधार माना जाए।

इस प्रकार वर्तमान समाज मे इसका दिखना धीरे-धीरे कम हुआ है अब भारतीय समाज आधुनिकता की ओर है जहां सभी को अपनी योग्यता और क्षमता के आधार पर ही रोजगार मिलते हो तथा विकास के अवसर उपलब्ध होते है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. "भारत को स्मार्ट शहरीकरण की आवश्यकता है।" इस कथन के आलोक में भारत में शहरीकरण से संबंधित मुद्दों और चुनौतियों की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

"India needs smart urbanization". In light of this, discuss the issues and challenges associated with urbanization in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

12. भारत में अंतर्देशीय जल परिवहन की चुनौतियाँ तथा संभावनाएँ क्या हैं? अंतर्देशीय जल परिवहन के प्रोत्साहन हेतु सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का विस्तृत विवरण भी प्रस्तुत कीजिये। (250 शब्द) 15

What are the challenges and prospects of inland water transport in India? Also, enumerate the measures taken by the government to promote inland water transport. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must no write on this margi

अंतर्देशीय जल परिवहन आंतरिक व्यापार को बढ़ाने का सबसे सरल एवं सस्ता तरीका है। भारत मे इसको कि बढ़ाने पर बल दिया जा रहा परन्तु इसके समक्ष कुछ चुनौतियां है जो —

- अंतर्देशीय जल परिवहन से नदी जैव विविधता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।
- इससे जहाजो के ले तेल रिसाव से नदी जल प्रदूषित होगा जिससे ~~स्थानीय~~ नदियो के जीवन पर खतरा उत्पन्न होगा
- जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा की अनियमितता नदियो के जलसंग्रह का काल बनसकती है तो इनके परिवहन मे दुविधा उत्पन्न हो सकती है
- नदियो ~~[redacted]~~ मे मार्ग बनाने हेतु बड़ी मात्रा मे तकनीकी और संसाधनो पर खर्च होगा जिससे वित्तीय दबाव बढ़ेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

परन्तु आंतरिक व्यापार का सुगम साधन हेतु इनकी संभावनाऐ अधिक बताई जा रही है। इनकी प्रमुख संभावनाऐ -

- भारत मे हजारो की संख्या मे नदिया है जिनमे हिमालयी नदिया वर्ष भर प्रवाहित होती है
- नदी परिवहन से ऊर्जा खपत कम होगी जिससे ग्रीन हाउस गैस का उत्सर्जन कम होगा
- इससे सड़क, रेल परिवहन पर भी दबाव कम होगा
- यह परिवहन निरन्तर एवं बाधारहित चलने वाला परिवहन है जिससे व्यापार मे तीव्रता आयेगी।
- सागरमाला प्रोजेक्ट मे भी अंतर्देशीय जलपरिवहन सहायक सिद्ध होगा।

इसी उद्देश्य हेतु भारत सरकार अंतर्देशीय जल परिवहन को बढावा देने हेतु निरन्तर प्रयासरत है। इसके प्रमुख प्रयास

- अंतर्देशीय जल परिवहन अधिनियम - 2016 मे 111 अंतर्देशीय मार्गों के निर्माण की बात की गई। इनमे 60% मार्ग वर्तमान

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

~~प्रचाल~~ प्रचलन में है, इनमें सबसे बड़ा राष्ट्रीय जलमार्ग इलाहाबाद से हल्दिया राष्ट्रीय जलमार्ग नंबर -1 है।

- बनारस में हाल ही बहु टर्मिनल का निर्माण किया गया जिसमें नदी जल, सड़क एवं रेल परिवहन ~~को~~ को बढ़ावा देने हेतु केन्द्र बनाया गया है

- सागरमाला परियोजना के अंतर्गत भी सरकार अंतर्देशीय जलमार्गों को बढ़ावा दे रही है।

अतः इस प्रकार अंतर्देशीय जलमार्ग व्यापारिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण होंगे। जिससे व्यापारिक जुड़ाव बढ़ेगा। और सड़क एवं रेलमार्ग पर निर्भरता कम होगी जिससे जीवाश्म ईंधन की खपत को कम कर ग्रीन हाउस गैस के उत्सर्जन को कम करने पर बल दिया जा रहा है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. प्रथम विश्व युद्ध ने भारत को गहन रूप से वैश्विक घटनाओं से संबद्ध किया, जिसके दूरगामी परिणाम हुए। उचित उदाहरण देकर विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

World War I linked India to global events in profound ways with far reaching consequences. Discuss by giving suitable examples. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

प्रथम विश्व युद्ध यूरोपीय राष्ट्रो की साम्राज्यवादी नीति, उपनिवेशो की प्रतिस्पर्धा तथा विश्व मे फैले अविश्वास के कारण हुआ। जिसमे मित्र राष्ट्रो की ओर से ब्रिटेन भी शामिल हुआ और उसने इसमे भारत को भी शामिल कर लिया। जिससे भारत भी वैश्विक घटनाओ मे सलग्न हो गया इससे भारतीय समाज, आर्थिक और राजनैतिक क्षेत्र पर दूरगामी प्रभाव पडा जो निम्न है—

आर्थिक क्षेत्र

भारत मे विश्व युद्ध के आर्थिक परिणाम निम्न हुए

- युद्ध मे शामिल होने से बडी मात्रा मे आर्थिक खर्च हुआ। सरकार ने राजस्व बढाया। करो मे वृद्धि की गई जिससे भारतीय जनमानस मे अंग्रेजो के प्रति असंतोष बढा।
- युद्ध मे शामिल होने से उत्पादन कम हुआ उसके बाद भोग बढने से मुद्रास्फीति बढी। परिणामस्वरूप जब उत्पादन को बढाया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये। (Candidate must n[ot] write on this marg[in])

उस अनुरूप मे मांग नही बढी जिससे 1929 की आर्थिक मंदी का भी भारत को सामना करना पडा

- इस युद्ध से भारत आर्थिक रूप से कमजोर होगया जिसके कारण द्वितीय विश्व युद्ध मे भारतीयो ने युद्ध मे भाग लेने से मना कर दिया।

<u>राजनैतिक क्षेत्र</u> -

- युद्ध मे भारतीय सैनिको ने साहसिक ~~कार्य~~ प्रदर्शन किया तथा यूरोपीय सेना को पराजित किया जिससे भारतीय जनमानस मे आत्मविश्वास बढा

- युद्ध मे शामिल होने के बावजूद अंग्रेजो भारत को ~~पुरस्कार~~ पुरूस्कार देने के स्थान पर रोलेट एक्ट जैसा कानून लाया जिससे भारतीय जनमानस मे असंतोष बना जिसके असहयोग आंदोलन को बढावा दिया

- भारतीय ने विदेशी लोगो मे जाकर भारतीय स्वतंत्रता की ~~मांग~~ मांग के पक्ष मे समर्थन पाने की कोशिश की।

- इस युद्ध ने नस्लीय भेदभाव पर भी कठोर प्रहार पडा क्योंकि इसने ~~[illegible]~~

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यूरोपीय सेना भी पराजित हुई और भारतीय सेना ने विजय प्राप्त की। जिससे नस्लीय वर्चस्व कम हुई।

अतः इस प्रकार प्रथम विश्व की घटनाओं में भारत संलग्न होने के कारण अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उसकी राष्ट्रीय पहचान हुई। भारतीय राजनीति में इसका दूरगामी प्रभाव पड़ा। बड़े-बड़े आंदोलनों को बढ़ावा मिला परिणामस्वरूप भारत आजाद हुआ। तथा आजादी के बाद भी भारत ने किसी भी महाशक्ति के गुट में शामिल ना होकर अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का संचालन किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

14. दक्षिण अफ्रीकी प्रयोग ने महात्मा गांधी को कई परिप्रेक्ष्यों में भारतीय राष्ट्रीय संघर्ष के नेतृत्व के लिये तैयार किया। विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

The South African experiment prepared Mahatma Gandhi for leadership of the Indian national struggle in many respects. Discuss. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लि
चाहिये।

(Candidate must
write on this mar

1893 में जब गांधीजी अफ्रीका पहुँचे तो वहाँ भारतीय के साथ नस्लीय भेदभाव को देखा। साथ ही अंग्रेजी सरकार द्वारा भारतीयों के साथ किये जा रहे शोषण के विरुद्ध सत्याग्रह पर आधारित आंदोलन की शुरुआत की।

दक्षिण अफ्रीका के भारतीयों और ब्रिटिश सरकार के बीच प्रमुख निम्न विवादास्पद मुद्दे थे —

- पंजीकरण कानून
- पहचान पत्र
- विवाह निषेध अधिनियम

इनके अंतर्गत प्रत्येक भारतीयों को अफ्रीका में अपना पंजीकरण पत्र और पहचान पत्र हमेशा साथ में रखना पड़ता था। तथा अगर कोई इनको अपने पास नहीं रखता तो उन्हे आर्थिक दण्ड दिया जाता जिसकी राशि भारतीय मजदूरों की मजदूरी से अधिक थी।

गांधीजी ने इसे अमानवीय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

मानते हुए इसके विरुद्ध सत्याग्रह किया तथा सभी पंजीकरणों को जला दिया।

इसी समय न्यायालय ने एक आदेश दिया जिसने गैर-ईसाई विवाह को गैर कानूनी करार दिया तथा उससे उत्पन्न संतान को भी नाजायज माना गया। गांधीजी ने इसने अनैतिक मानते हुए उसके विरुद्ध आंदोलन किया। उसने उसने सत्याग्रह को अपनाया। आंदोलन की तीव्रता देखकर ब्रिटिश सरकार को गांधीजी के सामने झुकना पड़ा तथा पंजीकरण कानून और विवाह निषेध कानून को समाप्त कर दिया इस प्रकार गांधीजी का सत्याग्रह सफल रहा।

जब गांधी भारत में आये तो अपने प्रारंभिक राजनैतिक ~~जीवन~~ दौर में इस सत्याग्रह का प्रयोग किया उसने 1917 में चम्पारण में, 1918 में अहमदाबाद और 1918 में खेड़ा ~~किसान~~ आंदोलन में प्रयोग किया। इन आंदोलनों में गांधीजी सफल रहे।

इस प्रकार अफ्रीका में गांधीजी द्वारा अंग्रेजों के विरुद्ध किये गये ~~विरोध~~

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

विरोध के तरीको मे सत्याग्रह संभाल रहा। जिसका प्रयोग गांधीजी ने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान किया जैसे असहयोग आंदोलन के दौरान असहयोग करना और ~~सविनिय~~ सविनय अवज्ञा आंदोलन के समय भी गांधीजी ने इसी पद्धति को अपनाया।

अतः इस प्रकार भारतीय और अफ्रीका मे एक जैसी राजनैतिक परिस्थिति होने के बावजूद अफ्रीका आंदोलन मे गांधीजी की सफलता ने भारतीय आंदोलन मे मजबूत नींव रख दी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि चाहिये।

(Candidate must write on this mar

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. "ब्रिटिश सरकार द्वारा समय-समय पर प्रस्तावित संवैधानिक सुधार हमेशा अधूरे व अत्यधिक देरी से होते थे।" विशेष रूप से मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों के संबंध में विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

"Constitutional reforms introduced by the British government from time to time were always too little and too late". Discuss with special reference to Montagu-Chelmsford reforms. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Ans

ब्रिटिश सरकार अपनी मनस्थिति से किसी भी संवैधानिक सुधार के पक्ष मे नही थी। परन्तु समय समय पर भारत मे बदती राजनैतिक चेतना एवं राष्ट्रीय भावना के परिणामस्वरूप ब्रिटिश सरकार का बदता विरोध के कारण भारतीयो की संतुष्ट करने हेतु संवैधानिक सुधार किये जाते थे।

ये संवैधानिक सुधार ब्रिटिश सरकार के हित मे ज्यादा तथा भारतीयो के हित मे कम थे। तथा इनके क्रियान्वयन मे भी देरी होती थी। किसी भी संवैधानिक सुधार मे भारतीयो की अपेक्षा के अनुरूप सुधार नही किये जाते है।

इस संदर्भ मे प्रथम विश्व युद्ध के बाद भारत मे भारतीयो को संतुष्ट करने के उद्देश्य से लाया गया मांटेग्यू-चेमसफोर्ड ~~सुधार~~ सुधार प्रमुख है। इसकी प्रमुख प्रावधान निम्न है—

- केन्द्र एवं राज्यो मे विषयो का विभाजन का उनके वित्तीय साधनो का भी बटवारा किया जायेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

- राज्यो मे द्वेध शासन की स्थापना की गई जिसमे राजस्व संबंधी कार्य गवर्नर करेगा तथा कानून व्यवस्था से संबंधित कार्य विधानपरिषद करेगी।
- पृथक निर्वाचन क्षेत्रो को मुस्लिम, ईसाई एवं यूरोपीयो तक विस्तृत कर दिया गया
- केन्द्र मे उत्तरदायी सरकार की स्थापना नही की गई।
- केन्द्र मे द्विसदनात्मक व्यवस्था की गई
- पहली बार प्रत्यक्ष चुनाव जिसमे सीमित आधार पर मतदान इत्यादि।

यदि उपर्युक्त प्रावधानो का विश्लेषण करे तो पायेगे कि इन सुधारो का मुख्य उद्देश्य अंग्रेजो द्वारा अपने हितो की पूर्ति करना। इससे निम्न निष्कर्ष निकले

- केन्द्र मे उत्तरदायी शासन की स्थापना ना कर भारतीय आशाओ को तोड़ दिया
- पृथक निर्वाचन प्रणाली का विस्तार

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कर राष्ट्रीय आंदोलन को तोडने का काम किया।

- राज्यो मे द्वैध शासन की स्थापना पर वास्तविक साधनो पर गवर्नर की शक्ति को बढा गया।

अत: इस प्रकार ब्रिटिश सरकार के सुधारो मे अधूरापन स्पष्ट रूप से नजर आता है। कोई भी संवैधानिक सुधार भारतीयो की अपेक्षा पर खरा नही उतरा। साथ ही इनमे समय की ~~भी~~ भी देरी होती थी जिससे इन सुधारो की प्रासंगिकता नही रहती है थी जैसे जिस उत्तरदायी शासन की मांग 1892 के संवैधानिक सुधारो उदारवादियो ने की उस उत्तरदायी शासन की सीमित आधारो पर मांग 1919 के अधिनियम मे मानी गयी।

अत: ब्रिटिश सरकार कभी भी भारतीयो के हितो के अनुरूप सुधार नही चाहती थी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

16. फासीवादी शक्तियों के तुष्टिकरण की पश्चिमी नीति द्वितीय विश्व युद्ध का कारण बनी। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

Western policy of appeasement of the fascist powers caused the Second World War. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must n

write on this marg

प्रथम विश्व युद्ध के बाद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर घटनाक्रमों में तीव्र परिवर्तन हुआ। वर्साय की संधि के साथ प्रथम विश्व युद्ध समाप्त हुआ और जर्मनी पर एकपक्षीय शर्तें लाद दी गई तथा इटली को प्रथम युद्ध में मित्र राष्ट्रों की ओर से युद्ध लड़ने का कोई फायदा नहीं मिला तो उसने उसका राष्ट्रवाद को देख पहेची तथा यही राष्ट्रवादी धारणा 1939 में द्वितीय विश्व युद्ध का कारण बनी।

द्वितीय विश्व युद्ध के कारणों का यदि सूक्ष्मता से विश्लेषण किया जाऐ तो अनेक कारणों के साथ सबसे महत्वपूर्ण कारण था पश्चिमी शक्तियों की तुष्टीकरण की नीति। इसके प्रमुख उदाहरणों से समझा जाता है

- जब 1896 में इथोपियों ने इटली को पराजित किया तो इसका बदला लेने हेतु इटली ने लगभग 1934 के समय इथोपिया पर आक्रमण किया तथा उसको पराजित

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कर दिया। इससे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इटली की आलोचना हुई परन्तु हिटलर ने इसमें इसके ~~के~~ इटली का समर्थन किया साथ ही ब्रिटेन एवं फ्रांस ने इसका प्रत्यक्ष विरोध नहीं किया। जिससे इटली की के आत्मविश्वास में वृद्धि हुई।

- इसी प्रकार जब सुडालैंड पर हिटलर ने आक्रमण किया और अपनी अधिकार मे कर लिया तब भी फ्रांस एवं ब्रिटेन ने उसका विरोध नहीं किया।
- युगोस्लाविया के खंडन पर रुस के साथ हिटलर ने म्यूनिख समझौता कर उसको अपने अधिकार क्षेत्र मे कर लिया इससे भी हिटलर का साहस बढता गया।

इस प्रकार नाजीवादी एवं फासीवादी शक्तियो का निरन्तर आत्मविश्वास बढने लगा। उन्हे अंतर्राष्ट्रीय कानून को नजरअंदाज कर दिया तथा फ्रांस एवं इंग्लैंड उनका विरोध नही कर सके। क्योंकि ब्रिटेन का व्यापारिक हित जर्मनी एवं इटली से जुडा हुआ था। इटली भूमध्यसागर मे स्थित होने के कारण व्यापारिक रुप से महत्वपूर्ण था।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।
(Candidate must no write on this margi

अतः इस प्रकार ब्रिटेन, फ्रांस और रूस की तुष्टीकरण की नीति ने विश्व को दूसरे महायुद्ध की अग्नि में झोंक दिया। यदि ब्रिटेन और फ्रांस इन साम्राज्यवादी शक्तियों का प्रारंभ से ही विरोध करते तो इनका साहस एवं आत्मविश्वास नहीं बढ़ता और शायद दूसरा विश्व युद्ध नहीं हो।

इसलिए कहा जाता है कि फ्रांस ब्रिटेन की तुष्टीकरण की नीति भी द्वितीय विश्वयुद्ध के लिए जिम्मेदार थी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

17. राज्यों के भाषाई पुनर्निर्माण ने भारत की एकता को गंभीर रूप से कमज़ोर किये बिना इसके राजनीतिक मानचित्र को तर्कसंगत रूप प्रदान किया। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

The linguistic reorganization of states resulted in rationalizing the political map of India without seriously weakening its unity. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जब भारत आजाद हुआ तो राज्यों के भाषा के आधार पर पुनर्गठन की मांग उठने लगी परन्तु ~~कब~~ 1947 मे धार्मिक आधार पर देश का ~~विभा~~ विभाजन हुआ इसलिए भारतीय राजनेता भाषा के आधार पर राज्यों के विरोध मे थे। इस हेतु राज्यो के गठन ~~हेतु सबको~~ विभिन्न आयोग एवं समितियों बनी जैसे S.K. धर आयोग, जवाहर-पटेल ~~स्कीम~~ पट्टाभिसीतारमैया समिति, फजल अली आयोग इत्यादि। परन्तु सभी ने भाषा के आधार पर ~~राज्य~~ राज्यों के गठन की मांग का नकार दिया।

परन्तु जब ~~@~~ आंध्रप्रदेश का भाषा के आधार पर गठन को लेकर आंदोलन हुआ और आंध्रप्रदेश का गठन किया गया। इसके बाद भारत मे भाषा के आधार पर राज्यो के गठन की मांग उठने लगी। इसके बाद 7 वा संविधान संशोधन किया गया। जिसने ~~क~~ ~~14~~ 14 राज्य एवं 7 केन्द्र-शासित प्रदेशों का गठन किया गया तथा गठन का आधार भाषा का माना गया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

इसी भाषा के आधार पर 1960 में महाराष्ट्र एवं गुजरात का गठन किया गया, 1966 में पंजाब से हरियाणा को अलग किया गया। इसी प्रकार 2001 में मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़, बिहार से झारखंड और उत्तरप्रदेश से उत्तराखंड का गठन किया गया।

इस प्रकार भारत में भाषा के आधार पर राज्यों का गठन किया गया। इसके बावजूद भारत की राष्ट्रीय बनी हुई है। इस भाषा के आधार पर किसी भी राज्य ने ~~अलगाववाद~~ अलगाववादी आंदोलन को जन्म नहीं दिया। और भारत संघ को बनाये रखा।

चूँकि भारत में विभिन्न भाषा पाई जाती है परन्तु भारतीय संस्कृति की सहिष्णुता को जोड़े हुये रखती है, इसलिए इन्होंने एकता को बनाये रखा।

अतः इस प्रकार भारत में भाषा के आधार पर तर्कसंगत ~~विभाजन~~ राज्यों का गठन करके

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिख
चाहिये।
(Candidate must n
write on this marg

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय मानचित्र को बनाये रखा तथा देश की एकता एवं अखंडता को अक्षुण्य बनाये रखा गया। यह अखंडता केन्द्र सरकार और राज्यो के सहयोग से बनी हुई है।

यदि कुछ अपवादो को छोड़ दिया जाए भाषा के आधार राज्यो के किसी भी प्रकार का कोई विवाद सामने नही आया है इस प्रकार भाषा के आधार पर राज्यो का गठन सही साबित हुआ।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. वैश्वीकरण ने राज्यों की भूमिका को परिवर्तित किया है। विकासशील देशों के संबंध में इसके प्रभावों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

Globalisation has changed the role of State. Critically evaluate its impact in the context of developing countries. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

विश्व के एक देश से दूसरे देश में पूंजी, निवेश, वस्तु और श्रम का बिना किसी अवरोध के प्रवाह को ही वैश्वीकरण कहते हैं। वैश्वीकरण का सामाजिक, आर्थिक, और राजनीतिक के साथ-साथ सांस्कृतिक क्षेत्र पर भी अपना प्रभाव पड़ा है जो निम्न हैं -

राजनीतिक प्रभाव

- वैश्वीकरण के कारण राज्य की भूमिका केवल पुलिस राज्य की तरह हो गई है। वह विभिन्न कार्यों में केवल नियामक की भूमिका निभाता है। जैसे TRAI,
- वैश्वीकरण से राज्य के प्रभाव में कमी आई तथा व्यक्ति के हितों को सर्वोच्चता दी गई
- महिलाओं के अधिकारों की ओर सकारात्मक चेतना का प्रसार हुआ।

आर्थिक क्षेत्र

- विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनी का प्रभुत्व बढ़ा
- व्यापारिक प्रतिस्पर्धा बढ़ी और

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

आर्थिक विकास के नये अवसर पैदा हुआ।
- विश्व के सभी राष्ट्रों को अपने सामान किसी भी राष्ट्र के बेचने का अधिकार मिला।
- आर्थिक विषमता बढ़ी। विकासशील राष्ट्रो की बजाय विकसित राष्ट्रो को ज्यादा फायदा मिला

सांस्कृतिक प्रभाव
- पाश्चात्य संस्कृति का प्रचार प्रसार हुआ
- सांस्कृतिक विविधता बढ़ी।

इस प्रकार के प्रभाव का यदि विकासशील राष्ट्र के हित मे देखा जाए तो ज्यादातर नकारात्मक नजर आये वहीं वैश्वीकरण से विकासशील राज्यो पर निम्न प्रभाव पड़े है —
- राजनैतिक मामलो मे बहुराष्ट्रीय कंपनियो का प्रभाव बढा परिणामस्वरूप राजनैतिक अस्थिरता बढी
- विकासशील राष्ट्रो के प्राकृतिक एवं मानवीय संसाधनो का दोहन ज्यादा हुआ तथा उसका लाभ उस अनुपात के अनुरूप नही मिला।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- पश्चिमी संस्कृति धीरे-धीरे जिससे इनकी संस्कृति विलुप्त होती नजर आ रही है
- वैश्वीकरण से अमीर एवं गरीब राष्ट्रों में आर्थिक असमानता बढ़ी।

आतः इस प्रकार वैश्वीकरण ने राज्य की भूमिका को सीमित किया और व्यक्ति केन्द्र पर बल दिया। इस वैश्वीकरण से राज्यों के विकास को लेकर व्यापारिक और विकासात्मक प्रतिस्पर्धा बढ़ी। परन्तु इसका ज्यादा लाभ विकसित एवं समृद्धशाली राष्ट्रों को मिला।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

20. लैंगिक न्याय उतना ही महत्त्वपूर्ण है जितनी की धार्मिक स्वतंत्रता। भारत की हाल की गतिविधियों के संदर्भ में विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

Gender justice is as important as religious freedom. Analyse in the context of recent developments in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये। (Candidate must n[ot] write on this marg[in])

भारतीय संविधान मे न्याय' संवैधानिक ~~न्याय~~ नैतिक मूल्य है भारत मे न्याय के वितरणकारी रूप को अपनाया गया है। जिसके तार्किक आधार पर विभेद कर समान के साथ ~~न्याय~~ समान व्यवहार तथा असमान के साथ असमान व्यवहार की बात करता है।

परन्तु यह विभेद तार्किकता के आधार पर किया जाए। इसीलिए भारतीय संविधान महिलाओं को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने हेतु विशेष सुविधाएं ~~क~~ उपलब्ध करायी गई।

लैंगिक न्याय लैंगिक सहिष्णुता को तथा धार्मिक स्वतंत्रता ~~न्याय~~ धार्मिक सहिष्णुता को बताता है। भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है ~~परन्तु~~ है इसलिए सभी धर्मों की स्वतंत्रता बनाये रखना राज्य का कार्य है।

हाल ही सबरीमाला मंदिर मे महिलाओं के प्रवेश को लेकर उच्चतम न्यायालय ने जो निर्णय दिया है उसके आधार

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लॉगिक न्याय और धार्मिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाये रखना जरूरी हुआ है।

इस निर्णय में उच्चतम न्यायालय ने कहा कि 12-49 वर्ष की महिलाओं के मासिक चक्र के आधार पर मंदिर में प्रवेश वर्जित करना प्राकृतिक न्याय के खिलाफ है और प्राकृतिक न्याय महिलाओं का जीवन अधिकार है इसलिए लॉगिक आधार पर भेदभाव न्यायोचित नहीं है।

वही इसी और अनुच्छेद-25 धार्मिक स्वतंत्रता देता है जिसमे कोई भी धर्म अपने नियमो, पूजा पद्धति का निर्धारित अपने स्तर पर कर सकता है इसी आधार पर सबरीमाला मंदिर ट्रस्ट ने अपने नियमो में यदि इस उम्र की महिलाओं के प्रवेश को निषेद्ध कर रखा था जो उसका मौलिक अधिकार था। क्योंकि मंदिर ब्रह्मचर्य देवता का है। जो इस उम्र की महिलाओं को अपवित्र मानकर प्रवेश वर्जित करता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अतः इस प्रकार उच्चतम न्यायालय के निर्णय ने लैंगिक न्याय की स्थापना करी पर वही इससे और धार्मिक स्वतंत्रता पर प्रश्न चिह्न लगा दिया गया।

इसी संदर्भ में उच्चतम न्यायालय ने कहा यदि व्यक्ति के अधिकारों का उल्लंघन होता तो मंदिर या धर्म के ~~अधिकारों~~ अधिकारों को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। और इसी आधार पर उच्चतम न्यायालय ने लैंगिक न्याय की स्थापना की।

अतः इस प्रकार लैंगिक न्याय भी महत्वपूर्ण है और साथ में धार्मिक स्वतंत्रता पर लैंगिक न्याय प्राकृतिक अधिकार से जुड़ा हुये है जो अनुच्छेद-21 के जीवन का अधिकार है और उच्चतम न्यायालय ने इस अधिकार को सर्वोच्च माना है क्योंकि इसके बिना अन्य सभी अधिकारों का कोई महत्व नहीं रहजाता।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation